WRITTEN ANSWERS TO UNSTARRED QUESTIONS

हजीरा में नाइट्रो – फॉस्फेट परियोजना

1819. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला**: क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सार्वजनिक निवेश बोर्ड समिति ने सार्वजनिक क्षेत्र के अंतर्गत हजीरा में स्थापित की जाने वाली नाइट्रो-फास्फेट परियोजना के प्रथम और द्वितीय चरणों के लिए, 1994 मे ही अनुमति दे दी थी;

(ख) क्या सार्वजनिक निवेश बोर्ड ने उक्त परियोजना के दूसरे और तीसर चरणों के लिए अनुमति देने के संबंध में कुछ आपत्तिया उठायी थी;

(ग) क्या इस संबंध में पर्यावरण संबंधी अनुमति दे दी गई थी;

(घ) क्या सार्वजनिक निवेश बोर्ड ने आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रीमंडलीय समिति को इस परियोजना का अनुमिदन करने की सिफारिश की थी; और

(ड़) यदि हां, तो इस संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. ए. के. पटेल): (क) और (ख) कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेद) (कृभको) की हजीर स्थित नाइट्रो-फास्फेट/ कैल्शियम अमोनियम नाइट्रो परियोजन के लिए निर्धारित निवेश अनुमोदन प्रक्रिया के तहत प्रथम चरण मंजूरी मई, 1994 में और द्वितीय चरण मंजूरी जनवरी, 1996 में प्रदान की गई थी । परियोजना को चरणॉ में कार्यान्वित नही किया जाना था । इसलिए परियोजना के द्वितीय और तृतीय चरण अनुमोदन के प्रति आपत्ति का प्रश्न ही नहीं उठता ।

(ग) जी, हां ।

(घ) और (ड) इससे पहले कि सरकार के निवेश अनुमोदन हेतु अन्तिम प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाता, कृभको के निदेशम मण्डल ने परियोजना प्राचलों विशेषत: सम्भाव्य अधिशेष अमोबिया की प्राप्ति और मचेंट अमोनिया की बिक्री के सापेक्ष लाभ से संबंधित प्राचलों का पुनर्मूल्याकंन किया । इस समीक्षाआ के आधार पर इस प्रस्ताव को छोड़ने का निर्णय लिया गया था ।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के उत्पादन का लक्ष्य

1820. **श्री अखिलेश दास**: क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षो के दौरन, सरकारी क्षेत्र के उर्वरक उत्पादक उपक्रमो में यूरिया और अन्य प्रकर के उर्वरक उत्पादन के संबंध में वार्षिक वास्तविक लक्ष्य क्या निर्धारित किय गया है तथा इस तीन वर्षो में प्रत्येक वर्ष के दौरान कितनी मात्रा मेम उत्पादन हुआ है;

(ख) क्या उपर्युक्त वर्षो के दौरान इन उर्वरकों के उत्पादन में कमी आई है;

(ग) यदि हां, तो तंत्संबंधी ब्यौर क्या है; और

(घ) गत तीन वर्षो के दौरान यूरिया के उत्पादन में काफी गिरावट के लिए कौन –कौन से कारक जिम्मेदार थे और सरकारी विशेषज्ञो द्वारा आंकडो संबंधी किए गए संकलन का ब्यौरा क्या है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय मेम राज्य मंत्री (डा. ए. के. पटेल): (क) से (घ) लक्ष्यों के संदर्भ में सार्वजनिक क्षेत्र के उर्वरक उत्पादन करने वाले उपक्रमों द्वारा यूरिया के उत्पादन तथा अन्य उर्वरकों की समेकित सूचना संलग्र अनुपत्र में दी गई है । [देखिए परिशिष्ट 184, अनुपत्र संख्या 58]

नाइट्रोजन तथा फास्फेट पोषकों के रूप में, सार्वजनिक क्षेत्र के उर्वरक उत्पादन करने वाले उपक्रमों द्वारा उर्वरकों का कुल उत्पादन 1997-98 के दौरान 9.4 % था जो 1995-96 के अपेक्षा अधिक था । समग्र रूप से, इन उपक्रमों द्वारा यूरिया के उत्पादन में उसी अवधि के दौरान उपक्रमों द्वारा यूरिया के उत्पादन में उसी अवधि के दौरान 15.3% वृद्धि दर्ज की गयी ।

New Urea Fertilizer Plant

1821. SHRI VAYALAR RAVI: Will the Minister of CHEMICALS- AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government have decided to set up a new urea fertilizer plant in the country; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (DR. A.K. PATEL): (a) and (b) As per the Industrial Policy Statement issued by the Government on 24.7.91, no industrial licence is normally required for setting up a fertilizer plant.

However, Public/Cooperative units under the administrative control of the Department of Fertilizers have to obtain the approval of the Government for incurring capital expenditure required for setting up a new fertilizer plant, if the investment is in excess of their delegated financial: powers. The following major fertilizer projects formulated by Public Sector Units/Co-operatives have been posed for investment approval as per the prescribed procedure:

(i)	Indian Farmers fertilizer Cooperative Ltd.	Grassroot Urea plant at Nellore, Andhra Pradesh
(ii)	Krishak Bharatiat Cooperative Ltd.	(a) New Urea plant Gorakhpur, U.P. (using the infrastructurc of the Gorakhpur plant of Fertilizer Corporation of India). (b) Hazira Phase-II Project for expanding the capacity of the plant at Hazira, Gujarat.
(iii)	Rashtriya Chemicals &. Fprtilizers Ltd.	Expansion of urea capacity of the Thai plant.
(iv)	National Fertilizers Ltd.	Expansion of urea capacity of the plant at Panipat.

Fertilizer Plants in Public Private and Cooperative Sectors

1822. DR. JAGANNATH MISHRA: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) the total number of fertilizer plants in. the public, private and co-operative sectors in the country;

(b) the number of plants out of them lying closed;

(c) the extent to which production of fertilizers is reduced due to closure of the said plants;

(d) the action taken by Government to revive the closed plants and to set up new fertilizer plants;

(e) whether Government have re viewed the performance of various under takings functioning under the Ministry; and

(f) if so, the outcome thereof, under taking-wise and the assistance provided to those undertakings?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (DR. A.K. PATEL): (a) There are 63 large sized fertilizer units in the private, public and co-operative sector in the country.

(b) and (c) Production at the following plants has had to be discontinued for reasons of safety/feedstock limitation or un viability;

1. Ammonia-Urea plant of Fertilizer Corporation of India Ltd. (FCI) at Gorakhpur

2. Ammonium Sulphate plant of Hindustan Fertilizer Corporation Ltd. (HFC) at Namrup-I

3. Ammonia-Urea plant of HFC at Namrup-II

4. Urea-I plant of Rashtriya Chemicals & Fertilizers Ltd. (RCF) at Trombay.

In the case of Namrup-1 plant of HFC and Trombay-I plant of RCF, there is no net loss of production as the ammonia produced in these plants 'is being utilised to produce fertilizers in the same complex.

Based on the average production achieved by the Gorakhpur plant of FCI and Namrup-II plant of HFC during a period of three years preceding the discontinuance of production, the cumulative 'loss of production upto 31.3.98 is 8.33 lakh tonnes of nitrogen.

The production operations of the Dur-gapur unit of HFC were suspended by the Management on 24.6.97 after a fire in the primary reformer top. Based on the